



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 29 जून, 2026

जारी करने का समय: 1410 घंटे

विषय: (i) 29 जून को सब-हिमालयन पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 29 जून तथा 2-3 जुलाई को कोंकण और गोवा में; साथ ही 2-3 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है।

(ii) 29 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में; और 29-30 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में लू (heat wave) चलने की बहुत संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):

- ❖ 29 जून तक, मॉनसून की उत्तरी सीमा 20°N/60°E, 20°N/65°E, 20°N/70°E, सूरत, इंदौर, मंडला, डाल्टनगंज, मोतिहारी और 28.3°N/83°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 2 दिनों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के उत्तर अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में और आगे बढ़ने के लिए हालात अनुकूल हैं। इसके बाद के 2-3 दिनों में यह मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के कुछ और हिस्सों, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, दक्षिण-पूर्व राजस्थान के कुछ हिस्सों और गुजरात के बाकी हिस्सों में भी आगे बढ़ सकता है।

आज, 29 जून, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, कोंकण और गोवा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ बिहार और तटीय कर्नाटक में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तेलंगाना, केरल और माहे में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, झारखंड, बिहार, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में कुछ जगहों पर तेज़ हवाओं (40-60 किमी/घंटा की रफ़्तार) के साथ आंधी-तूफान की स्थिति देखी गई।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (27-06-2026 तक): कल, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर; और पश्चिमी मध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान व झारखंड में कुछ अलग-अलग जगहों पर दिन/अधिकतम तापमान 40-43°C के बीच रहा; जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह 40°C से कम रहा। सबसे ज़्यादा अधिकतम तापमान 43.8°C फलोदी (राजस्थान) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (27-06-2026 तक): कल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर; पूर्वी उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कुछ जगहों पर; और असम व मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश व मध्य महाराष्ट्र में कुछ अलग-अलग जगहों पर तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा ($> 5.1^\circ\text{C}$) रहा। बिहार, उत्तराखंड,

हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, पंजाब और गुजरात क्षेत्र में कई जगहों पर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम, पश्चिमी राजस्थान और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कुछ जगहों पर; और त्रिपुरा, झारखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र व कच्छ, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और केरल व माहे में कुछ अलग-अलग जगहों पर तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा। कोंकण व गोवा और तटीय कर्नाटक में कई जगहों पर; पूर्वी राजस्थान में ज़्यादातर जगहों पर; रायलसीमा और लक्षद्वीप में कुछ जगहों पर; और तटीय आंध्र प्रदेश व यनम में कुछ अलग-अलग जगहों पर तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। देश के बाकी हिस्सों में तापमान सामान्य के करीब या सामान्य से कम रहा।

- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (28-06-2026 तक): हरियाणा, चंडीगढ़ व दिल्ली और ओडिशा में तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहा; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, गुजरात राज्य, मध्य प्रदेश, बिहार, गांगेय पश्चिम बंगाल, मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, मणिपुर और मिजोरम में सामान्य से ऊपर (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब/सामान्य से नीचे।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- ❖ समुद्र तल पर मौसमी ट्रफ़ (कम दबाव का क्षेत्र) अब पंजाब से बिहार तक हरियाणा और उत्तर प्रदेश से होकर गुज़र रहा है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तर-पूर्वी असम और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण (साइक्लोनिक सर्कुलेशन) बना हुआ है।
- ❖ ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक वेस्टर्लीज़ (पश्चिमी हवाओं) में एक ट्रफ़, जिसकी धुरी निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर है, लगभग 90°E देशांतर के साथ 21°N अक्षांश के उत्तर की ओर बढ़ रही है।
- ❖ महाराष्ट्र तट के पास पूर्वी-मध्य अरब सागर के ऊपर, मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ उत्तरी तेलंगाना और उसके आस-पास के इलाकों में, मध्य ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ 02 जुलाई, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) का असर पड़ने की संभावना है।
- ❖ समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर, पूर्वी उत्तर प्रदेश से मणिपुर तक एक पूर्व-पश्चिम ट्रफ़ बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और असम से होकर गुज़र रही है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तर पर उत्तर-पश्चिम उत्तर प्रदेश और उसके आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों पर उत्तरी-मध्य मध्य प्रदेश से पूर्वी-मध्य अरब सागर तक एक ट्रफ़ सौराष्ट्र और कच्छ तथा उत्तरी मराठवाड़ा से होकर गुज़र रही है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 29-30 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून-1 जुलाई और 5 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 29-30 जून और 5 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 29 जून और 4-5 जुलाई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 29 जून-5 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में; 29 जून-1 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-5 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 29 जून-5 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2-4 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 1-4 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 30 जून-3 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 2-5 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून-5 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है;

साथ ही 29 जून-1 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ 1-5 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 29 जून-5 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 2-5 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में 30 जून और 3-5 जुलाई के दौरान; पश्चिमी राजस्थान में 29 जून-1 जुलाई के दौरान तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ उत्तराखंड में 2-5 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और पंजाब में 2-4 जुलाई के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 1 जुलाई और 4-5 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 29-30 जून और 4-5 जुलाई के दौरान; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 1-3 जुलाई के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 30 जून-2 जुलाई के दौरान; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 29 जून-2 जुलाई के दौरान; पूर्वी राजस्थान में 29 जून और 2-5 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही हिमाचल प्रदेश में 2-3 जुलाई और उत्तराखंड में 1-2 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ पूर्वी राजस्थान में 29 जून और 1-2 जुलाई के दौरान तेज़ आंधी (हवा की रफ़्तार 50-60 किमी/घंटा, जो झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) आने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 2-5 जुलाई के दौरान धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 29-30 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 1-5 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 29 जून-5 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ और विदर्भ में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून-3 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 29 जून-2 जुलाई के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 29 जून-3 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 29 जून-1 जुलाई और 5 जुलाई को पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 29 जून-2 जुलाई को विदर्भ में; 29 जून-5 जुलाई को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 2-4 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; और 3-4 जुलाई के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 29 जून-5 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 30 जून-4 जुलाई के दौरान झारखंड में; 29 जून-1 जुलाई के दौरान बिहार में; 30 जून-5 जुलाई के दौरान ओडिशा में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून और 5 जुलाई को झारखंड में; 2-5 जुलाई के दौरान बिहार में; 29 जून को ओडिशा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून-5 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, झारखंड और ओडिशा में; 29 जून-3 जुलाई के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है। बिहार में 29 जून से 1 जुलाई के बीच; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 29 जून से 3 जुलाई के बीच तेज़ हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) के साथ; बिहार में 2-5 जुलाई के बीच।
- ❖ 29 जून और 1 जुलाई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 1 और 4 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 30 जून से 1 जुलाई के बीच झारखंड में; 29-30 जून और 5 जुलाई को ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, 30 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 5 जुलाई को गंगा के मैदानी इलाकों

वाले पश्चिम बंगाल में; 29 जून से 1 जुलाई के बीच बिहार में; 1-4 जुलाई के बीच ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 29 जून से 2 जुलाई के बीच अरुणाचल प्रदेश में; 29 जून से 3 जुलाई के बीच असम और मेघालय में; 29 जून से 5 जुलाई के बीच नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश की संभावना है।
- ❖ 3-5 जुलाई के बीच अरुणाचल प्रदेश में; 4-5 जुलाई के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 2 जुलाई के बीच अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 29 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ 30 जून से 2 जुलाई के बीच अरुणाचल प्रदेश में; 1-2 जुलाई के बीच असम और मेघालय में; 29 जून से 2 जुलाई के बीच नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। साथ ही, 29 जून को अरुणाचल प्रदेश में; 29-30 जून के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है। पश्चिम भारत:
- ❖ 29 जून से 5 जुलाई के बीच कोंकण और गोवा में; और 3 से 5 जुलाई के बीच गुजरात क्षेत्र और मध्य महाराष्ट्र में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 2 जुलाई के बीच गुजरात क्षेत्र और मध्य महाराष्ट्र में; और 29 जून से 5 जुलाई के बीच मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 3 जुलाई के बीच गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 29 जून और 2 व 3 जुलाई को कोंकण और गोवा में; और 2 व 3 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ही भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून और 2-3 जुलाई को कोंकण और गोवा में; 2-3 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; 29 जून और 2 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में; 3-5 जुलाई को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 30 जून-1 जुलाई और 4-5 जुलाई को कोंकण और गोवा में; 29 जून-1 जुलाई और 4-5 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में; और 3-5 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 29 जून से 5 जुलाई के दौरान रायलसीमा, दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 29-30 जून और 3 जुलाई को उत्तर अंदरूनी कर्नाटक में; 29 जून से 3 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 30 जून को तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 5 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में; 1-2 जुलाई और 4-5 जुलाई के दौरान उत्तर अंदरूनी कर्नाटक में; 4-5 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; और 29 जून तथा 1-5 जुलाई के दौरान तेलंगाना में काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 3 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, केरल और माहे और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 29 जून से 2 जुलाई के दौरान लक्षद्वीप में; 29-30 जून के दौरान उत्तर अंदरूनी कर्नाटक में; 1-3 जुलाई के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 29 जून से 5 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 29-30 जून के दौरान रायलसीमा में; और 29 जून से 1 जुलाई के दौरान तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 29-30 जून और 3-5 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 1-5 जुलाई के दौरान केरल और माहे और उत्तर अंदरूनी कर्नाटक में; 29 जून को तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में; 30 जून से 2 जुलाई के दौरान दक्षिण अंदरूनी कर्नाटक

में; और 29 जून तथा 2-3 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 29 जून से 5 जुलाई के दौरान तेलंगाना में; साथ ही 29-30 जून के दौरान केरल और माहे में; 30 जून से 5 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; और 3-5 जुलाई के दौरान दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 4 जुलाई तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 4-5°C की गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ महाराष्ट्र में 3 जुलाई तक अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 3-4°C की गिरावट आने की संभावना है और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ गुजरात में 1 जुलाई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद धीरे-धीरे 3-4°C की गिरावट आएगी।
- ❖ मध्य प्रदेश में 2 जुलाई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट आएगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 5 जुलाई, 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

लू (हीट वेव), गर्म और उमस भरे मौसम तथा गर्म रात की स्थितियों की चेतावनी:

- ❖ 29 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में और 29-30 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में लू चलने की बहुत संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

अरब सागर:

- ❖ 29 जून से 04 जुलाई के दौरान सोमालिया के तटों और दक्षिण-पश्चिम व पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में। 01 जून से 04 जुलाई के दौरान ओमान के तटों और दक्षिण-पश्चिम व पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में। 01 से 4 जुलाई के दौरान गुजरात तट के पास। कोंकण, गोवा और कर्नाटक तट के पास और उससे सटे पूर्वी-मध्य अरब सागर, मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन इलाके में।

बंगाल की खाड़ी:

- ❖ 4 जुलाई तक दक्षिण श्रीलंका तटों और उससे सटे दक्षिण-पश्चिम व दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में; 03 जुलाई तक केरल तटों और लक्षद्वीप इलाके में। 29 जून, 2 और 3 जुलाई को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तरी आंध्र प्रदेश तटों के पास। 30 जून से 03 जुलाई के दौरान अंडमान सागर में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 29 से 02 जुलाई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ अरुणाचल प्रदेश: एम.ओ. पासीघाट (अवलोकन) 23
- ❖ असम और मेघालय: आरकेएम सोहरा 22
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: मायाबंदर 7
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: संकोश 21
- ❖ ओडिशा: रायघाट (जिला-बालासोर) 9
- ❖ बिहार: सरायगढ़ भपटियाही (सुपौल) 20
- ❖ उत्तराखंड: बेरीनाग 10, नैनीताल 9
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: कतर्नियाघाट (बहराइच) 10
- ❖ पूर्वी राजस्थान: एरॉड(पीआरजी) 9
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: मंदसौर 8
- ❖ कोंकण और गोवा: म्हासाला (रायगढ़) 24
- ❖ मध्य महाराष्ट्र : लोनावला (पुणे) 12
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 9, वेन्नावलकुडी (जिला पुदुक्कोट्टई) 7,
- ❖ केरल और माहे: कोच्चि सी.आई.ए.एल. (जिला एर्नाकुलम) 9, वैक्कोम (जिला कोट्टायम) 9, पेरुम्पावुर (जिला एर्नाकुलम) 8, कुडुलु (जिला कासरगोड) 8, उरुमी (जिला कोझिकोड) 7
- ❖ तटीय कर्नाटक: होनावर ऑब्सि (जिला उत्तर कन्नड़) 13, मानकी (जिला उत्तर कन्नड़) 10, कुमता (जिला उत्तर कन्नड़) 9, कारवार ऑब्सि (जिला उत्तर कन्नड़) 8, अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़) 8, गोकर्ण (जिला उत्तर कन्नड़) 7,
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: माचेरला (जिला पलनाडु) 8,
- ❖ तेलंगाना: बोनाकल (जिला खम्मम) 11, नवीपेट (जिला निज़ामाबाद) 8, मल्लियाल (जिला जगतियाल) 7, मल्लापुर (जिला जगतियाल) 7, चंदुरथी (जिला राजन्ना सिरसिल्ला) 7, धार पल्ले (जिला निज़ामाबाद) 7, ज़फरगढ़ (जिला जंगांव) 7

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ □ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम 51, श्री विजयपुरम 51
- ❖ □ ओडिशा: पुरी 46
- ❖ □ झारखंड: बहरागोड़ा एडब्ल्यूएस 48
- ❖ □ बिहार: मधेपुरा 50
- ❖ □ उत्तराखंड: पंतनगर 44
- ❖ □ पंजाब: लुधियाना 44
- ❖ □ हरियाणा: फतेहाबाद 50, हिसार 41 कैथल 41, जिंद 50, रोहतक 68
- ❖ □ पूर्वी उत्तर प्रदेश: लखनऊ (एपी) 46, गोरखपुर (आईएएफ) 41
- ❖ □ पूर्वी राजस्थान: डबोक 45
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: मंदसौर 50, नीमच 44, गुना 43, सीहोर 43, श्योपुर - 39 किमी प्रति घंटा, ग्वालियर 37, अशोकनगर 37, शिवपुरी 35, राजगढ़ 31, आगरा 31, बैतूल 30, बड़वानी 30, होशनागाबाद 30, भोपाल 30
- ❖ □ कोंकण और गोवा: देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 50, अलीबाग (रायगढ़) 48
- ❖ □ मध्य महाराष्ट्र: खुतबाव दौंड (पुणे) 48, नारायणगांव (पुणे) 48
- ❖ मराठावाड़ा: वैजनाथ (बीड) 46, चाकुर (लातूर) 44
- ❖ □ सौराष्ट्र और कच्छ: भावनगर 50
- ❖ □ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल: डिंडीगुल 52,
- ❖ □ केरल और माहे: तिरुसूर 48
- ❖ □ तटीय कर्नाटक: दक्षिण कन्नड़ 43
- ❖ □ उत्तर आंतरिक कर्नाटक: कलबुर्गी 54
- ❖ □ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: शिवमोगगा 52
- ❖ □ तटीय आंध्र प्रदेश और यानम: श्रीकाकुलम 46

- ❖ □ रायलसीमा: अनंतपुर 52
- ❖ □ तेलंगाना: सूर्यापेट और करीमनगर 61

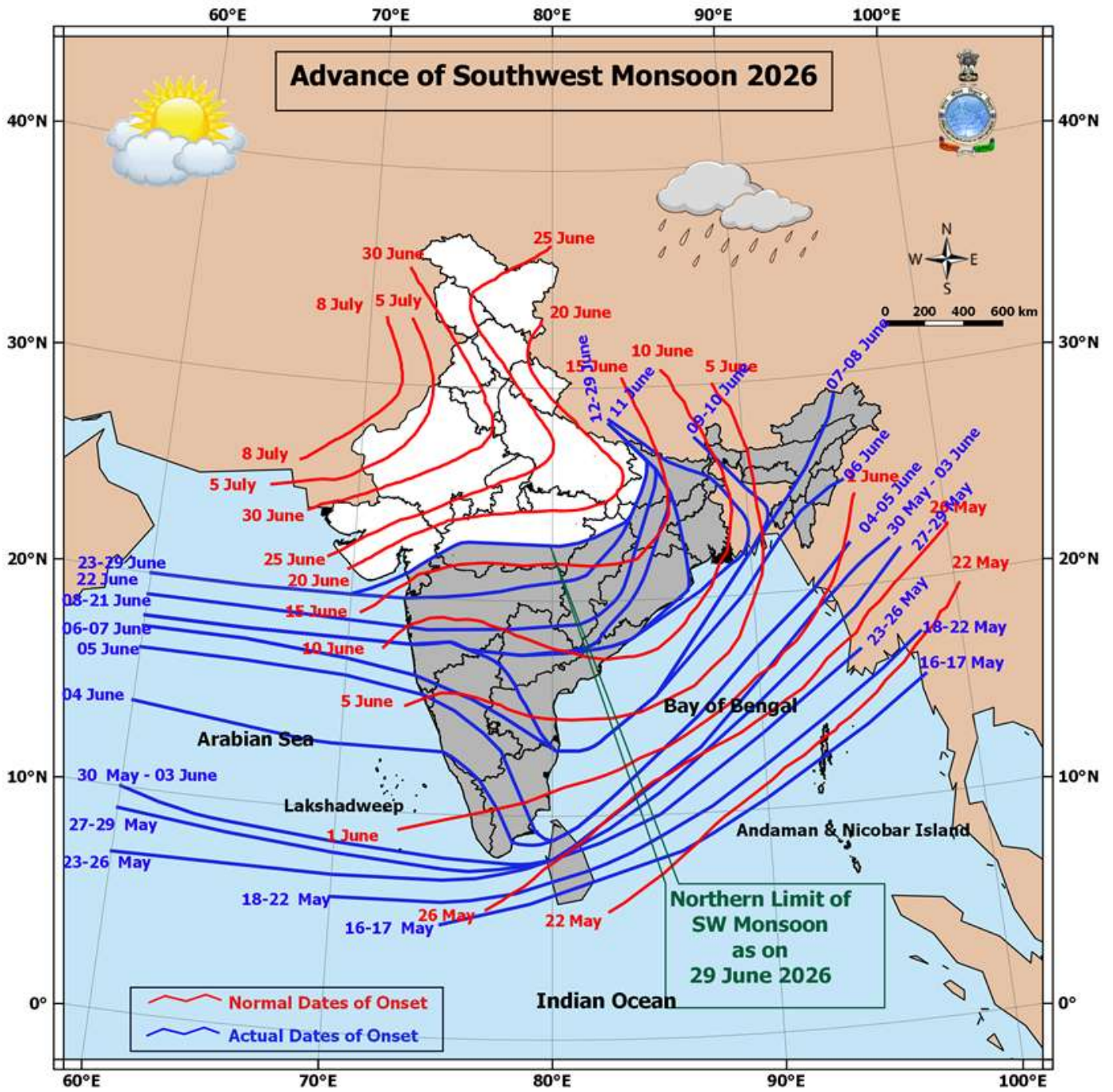
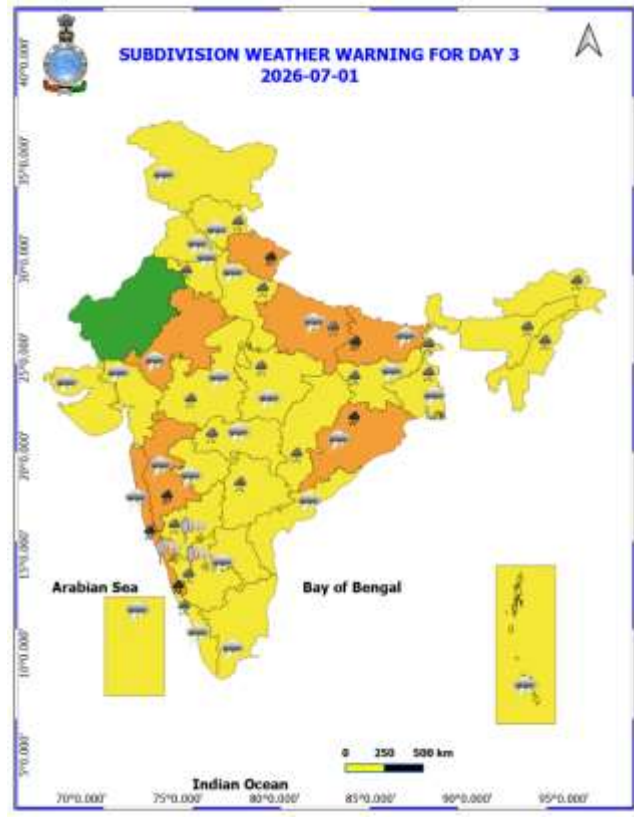
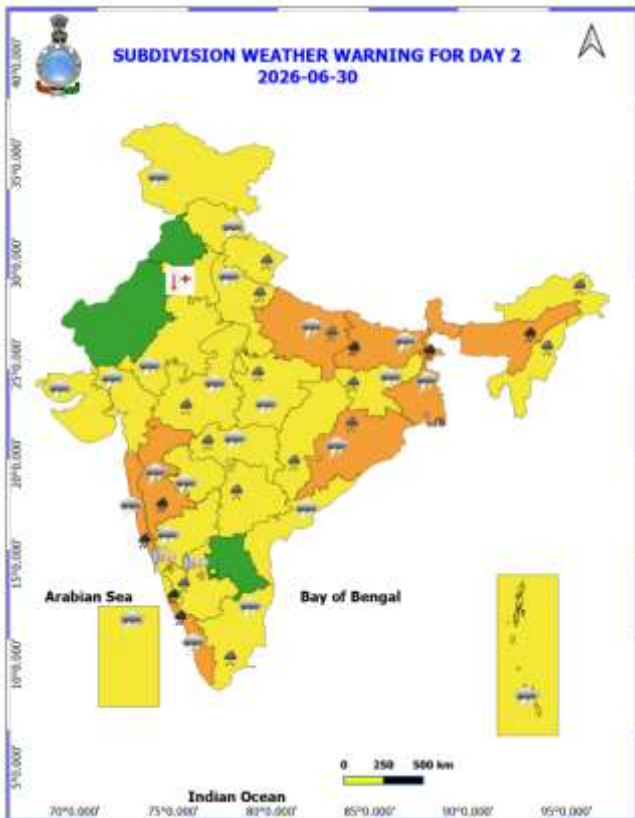
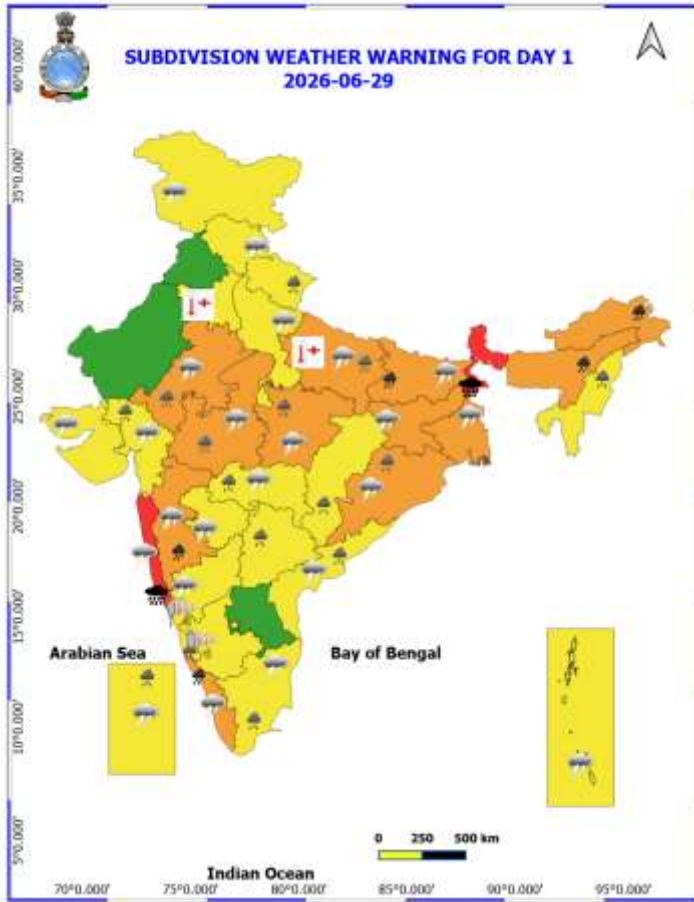
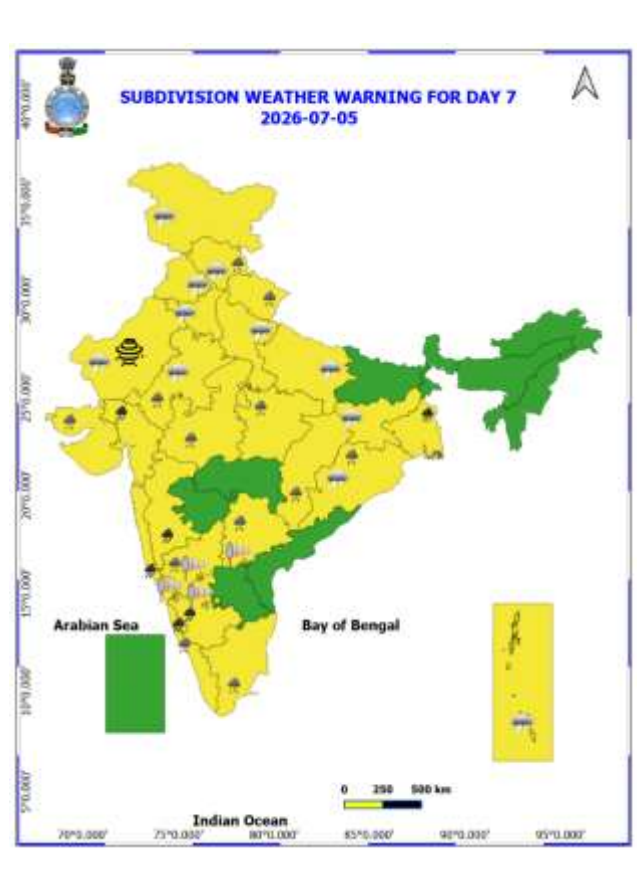
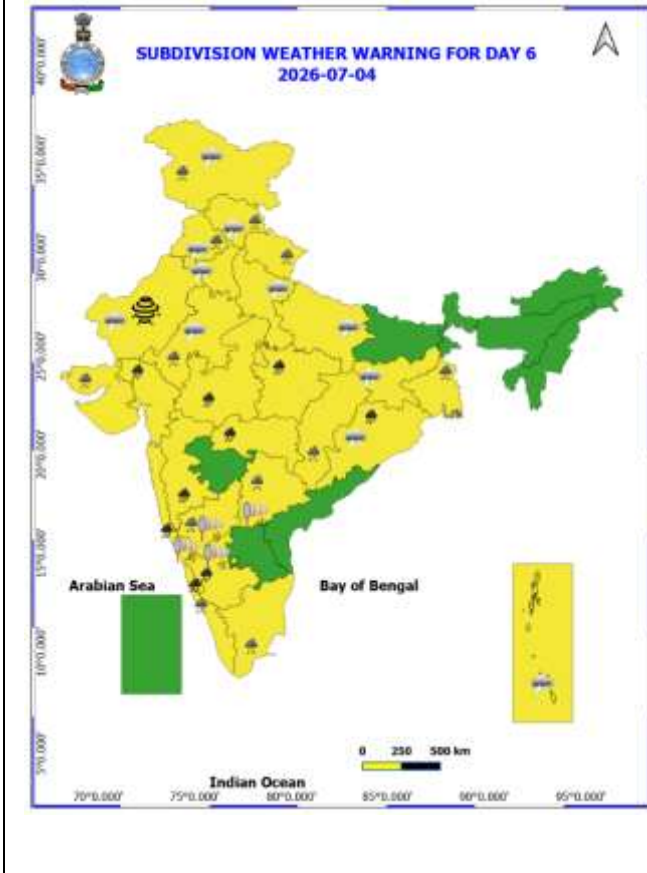
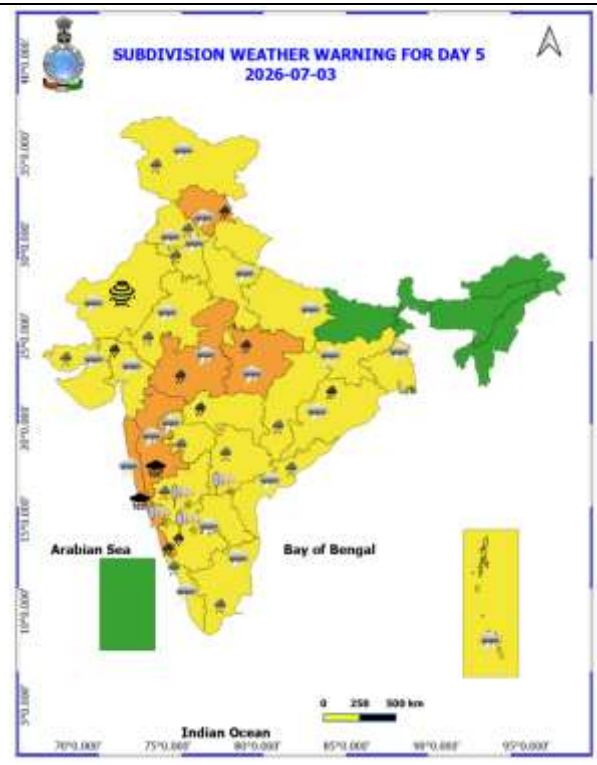
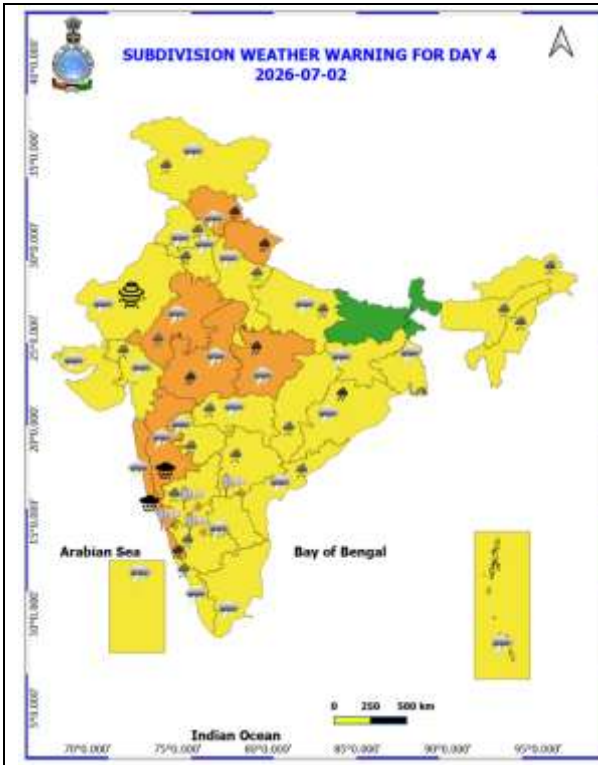


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	29- Jun	30- Jun	1- Jul	2- Jul	3- Jul	4- Jul	5- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3
2	ARUNACHAL PRADESH	W3	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	W3	W3	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	W3	FWS	W3	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	W3	W3	W3	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	W3	W3
7	ODISHA	SCT	FWS	FWS	W3	W3	W3	W3
8	JHARKHAND	SCT	W3	W3	FWS	FWS	FWS	SCT
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	W3	W3	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	W3	W3	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	FWS	W3	W3	W3	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	W3	W3	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	W3	W3	W3
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
25	MARATHWADA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	FWS	FWS	FWS	W3	W3	W3	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	W3	W3	W3	W3	W3
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
29	TELANGANA	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3
36	LAKSHADWEEP	W3	W3	W3	W3	W3	W3	W3

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

29 जून से 02 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C तक की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 42-43°C और न्यूनतम तापमान 28-31°C के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। कुछ अलग-अलग जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से बहुत ज़्यादा (5.1°C या उससे ज़्यादा), कई जगहों पर सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा की रफ्तार से ज़मीनी हवा चली, जिसकी गति कभी-कभी 56 किमी/घंटा तक पहुँच गई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने और आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

29.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दिल्ली में कुछ जगहों पर लू (हीट वेव) चलने की संभावना है। दोपहर/शाम के समय दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी/बिजली/धूल भरी आंधी और 30-40 किमी/घंटा (कभी-कभी 50 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से तेज़ ज़मीनी हवा चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 41-43°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से बहुत ज़्यादा (5.1°C या उससे ज़्यादा) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से 25 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी। 30.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली/धूल भरी आंधी और 40-50 किमी/घंटा की तेज़ सतही हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और कई जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा; वहीं दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहने की संभावना है। मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय सतही हवा की गति 22 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 22 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

01.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली और 40-50 किमी/घंटा की तेज़ सतही हवाएं चल सकती हैं, जिनकी गति झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय सतही हवा की गति 22 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

02.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर से पहले के समय में हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ ज़मीनी हवाएं चलने की संभावना है। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ ज़मीनी हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 23°C

से 25°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की गति वाली ज़मीनी हवाएं चलने की संभावना है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 10 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ आंधी के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ आंधी, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुंच सकती हैं) चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियां टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियां गिरना, नुकसान...

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं के साथ कहीं-कहीं आंधी-तूफान की संभावना और उससे जुड़े सुझाव

- ❖ 29 जून और 1-2 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ संभावित असर:
- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी टहनियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ टहनियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को थोड़ा या ज़्यादा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओलावृष्टि से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमजोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और हो सके तो यात्रा न करें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न खड़े हों।
- ❖ बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- ❖ तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- ❖ 29 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 29 जून तथा 2-3 जुलाई को कोंकण और गोवा में; 2-3 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। □ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- ❖ पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- ❖ अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफिक जाम की स्थिति देख लें।
- ❖ इस संबंध में जारी ट्रैफिक सलाहों का पालन करें।
- ❖ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- ❖ कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

लू (हीट वेव)/भीषण लू की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 29 जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में; और 29-30 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में लू चलने की बहुत अधिक संभावना है।

अलर्ट वाले क्षेत्र

- ❖ उच्च तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में लू से जुड़ी बीमारी के लक्षण दिखने की अधिक संभावना।
- ❖ कमज़ोर वर्ग के लोगों (जैसे शिशु, बुजुर्ग, पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के स्वास्थ्य के लिए अधिक चिंता।
- ❖ धूप/गर्मी के संपर्क में आने से बचें - खुद को ठंडा रखें। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ORS, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, पानी जमा होने से बचाने के लिए सब्जियों, मक्का, धान की नर्सरी और दूसरी फसलों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें। फसल के नुकसान से बचने के लिए तैयार सब्जियों और फलों की कटाई कर लें।
- ❖ असम में, धान की नर्सरी, जट, अदरक, हल्दी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी में बवाई और जट, मक्का व सब्जियों की बवाई न करें। पहले से बोए गए क्षेत्र को प्राकृतिक मल्लिचग सामग्री जैसे पुआल, खेत के अवशेष आदि से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए यांत्रिक सहारा दें।
- ❖ मेघालय में, धान की नर्सरी, मक्का, अदरक, लोबिया, सब्जियों के खेतों और केले के बागानों में पानी की निकासी के लिए सही चैनल सुनिश्चित करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। भारी फलों/सब्जियों वाले पौधों को सहारा देने के लिए प्रापिंग (बांस या लकड़ी के खंभे) का इस्तेमाल करें।
- ❖ मणिपुर में, प्री-खरीफ धान की कटाई करें और उपज को सुरक्षित जगह पर रखें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें। पानी जमा होने से बचने के लिए सोयाबीन, मिर्च, अदरक, हल्दी, केले और दूसरी फसलों के खेतों के साथ-साथ नई रोपाई वाले पौधों और नर्सरी की फसलों में पानी की निकासी का सही इंतजाम करें।
- ❖ त्रिपुरा में, भारी बारिश के दौरान धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पानी की निकासी का पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करें।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, भारी बारिश के दौरान धान की नर्सरी में बवाई न करें; पहले से बोई गई धान की नर्सरी की क्यारियों को पुआल मल्लिच, सूखी घास या अस्थायी पालीथिन/एगो-नेट कवर से ढकें ताकि बीज बूटने, खराब अंकुरण और पौधों के नुकसान से बचा जा सके। जट, अदरक, मिर्च, टमाटर और डल्ले खोरसानों के खेतों और खरीफ धान, रागी व सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ ओडिशा में, मक्का, मोटे अनाज (मिलेट्स) और दाल वाली फसलों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने का इंतजाम करें।
- ❖ बिहार में, गर्मी की मंगू की तैयार फुलियों की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित जगहों पर रखें। धान की नर्सरी और मक्का के खेतों में पानी की निकासी का पर्याप्त सुविधा दें।
- ❖ मध्य प्रदेश में, तैयार मंगू, सब्जियों और फलों की कटाई करें और उपज को सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ छत्तीसगढ़ में, धान और सब्जियों की नर्सरी में पानी की निकासी का सही इंतजाम सुनिश्चित करें।
- ❖ कोकण और मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों में, धान, रागी और सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त पानी निकालने का इंतजाम करें।
- ❖ केरल में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केले के पौधों का सहारा (स्टैकिंग) दें और सब्जियों की फसलों के पड़ालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- ❖ तमिलनाडु में, साफ मौसम होने पर ही पक चुकी बाजरे की फसल की कटाई और कपास की तुड़ाई करें और कटी हुई फसल को सुरक्षित जगहों पर रखें।
- ❖ तटीय कर्नाटक में, धान की पौधशालाओं और फलों के बागों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की सही निकासी का इंतजाम करें।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश में, धान की नर्सरी, मक्का के खेतों और बागवानी फसलों (आम, केला आदि) में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की उचित निकासी बनाए रखें।

उच्च तापमान / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ❖ हरियाणा और पूर्वी उत्तर प्रदेश में, सब्जियों की फसलों और फलों के बागों में ज़रूरत के हिसाब से हल्की सिंचाई करें। मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पालीथिन से मल्लिचग करें। फलों के पौधों को तेज़ गर्मी से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का इस्तेमाल करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

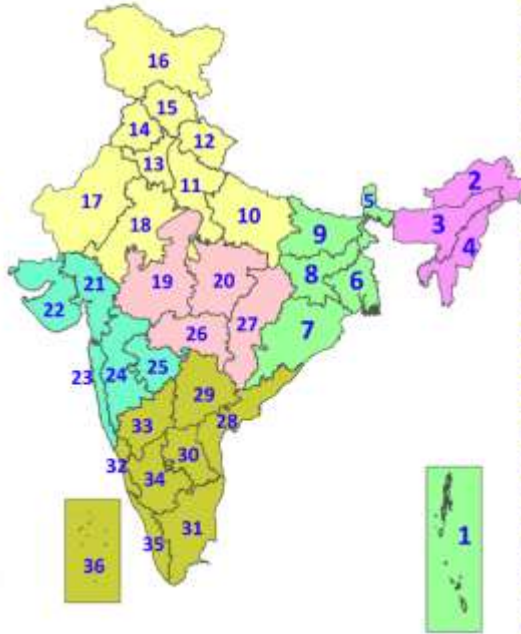
- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)